International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.340, Volume 04, No. 01(II), January - March, 2022, pp.57-59

ऑनलाइन शिक्षाः एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ. पूरण प्रकाश जाटव*

i:Lrkouk

वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व कोविड़–19 महामारी से त्रस्त है। लगभग 10 माह से सभी क्षेत्रों की गतिविधियॉ बुरी तरह से प्रभावित हुई है, इसमें शिक्षा का क्षेत्र प्रमुख है। शिक्षा समाजीकरण की प्रक्रिया का माध्यम है। जब–जब समाज में परिवर्तन आया, शिक्षा के स्वरूप में भी परिवर्तन आता गया । इसी कडी में आज कोरोना संकट के दौर में शिक्षा के स्वरूप में भी बदलाव देखा गया है और ऑनलाइन शिक्षा ने व्यापक स्तर पर अपनी पकड़ बना ली है। शिक्षा के क्षेत्र में स्कूल/कॉलेज/कोचिंग सस्थान आदि में ऑफलाईन गतिविधियॉ अभी तक बंद थी, जो हाल ही में कोरोना पर नियंत्रण तथा कोरोना वैक्सिन के टीकाकरण के पश्चात कोरोना गाइडलाइन की शर्तों के साथ पुनः लगभग 10 माह पश्चात् खुलने जा रही है। इस महामारी की विकट परिस्थितियों में विद्यार्थीयों के लिए शिक्षा को अनवरत जारी रखने के लिए केन्द्र/राज्य सरकार, निजी संस्थान एवं एनजीओं के द्वारा विभिन्न प्रयास किए गए। इनमें से ऑनलाइन शिक्षा विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित हुई है जिससे विद्यार्थी अपनी शिक्षा को जारी रख सके। इस महामारी ने हमें आज शिक्षा के रूप में बदलाव करने को मजबूर कर दिया है। सरकारी शिक्षकों में जहॉ अधिकांश शिक्षक ऑनलाइन प्रशिक्षण, ऑनलाईन कक्षाऍं, व्हाटसएप ग्रुप, गूगल फॉर्म, जूम/गूगल मीट मैप इत्यादि के बहू उपयोंगों से भलीभांति परिचित नहीं थे, वहीं आज इस महामारी के दौरे में इन नवीन तकनीकों का शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा भरपूर उपयोग किया जा रहा है। ऑनलाइन शिद्वाा के कारण ही इस भयानक महामारी के दौर में भी शिक्षक एवं विद्यार्थी घर रहते हुए आपस में एक दूसरे से जुडे हुए है तथा शिक्षा जारी रख पा रहे है। ऑनलाइन शिक्षा जहां पहले बड़े प्राइवेट स्कूलों/कोंचिगों/कॉलेजो जैसी संस्थाओं तक सीमित थी वहीं इस कोरेाना महामारी ने इस छोटे–छोटे गांव तक पहुचा दिया, जिसके आज सरकारी महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए भी यह वरदान साबित हो रही है। इसके द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी के लिए भी यह वरदान साबित हो रही है। इसके द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी तक शिक्षण सामग्री पहुंच रही है एवं उनका मूल्यांकन भी समय–समय पर किया जा रहा है। हालांकि गरीब विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों के पास एंड्राइड मोबाइल/नेट की उपलब्धता की कमी से वे अभी वंचित रहे है। कोरोना महामारी ने ऑनलाइन शिक्षा को एक बेहतर अवसर के रूप में हमारे सामने प्रस्तुत किया, जिससे विगत 10 माह में शिक्षा के स्वरूप में काफी बदलाव नजर आया। यह सही भी है क्योंकि परिवर्तन ही विकास की धुरी है। ऑन लाइन शिक्षा हो या वर्क फ्रॉर्म होम इसे देखते हुए आज साफ्टवेयर व नेट उपलब्धता वाली कंपनियों ने भी नेट स्पीड़/मींटिंग ऐप/साफ्टवेयर में काफी बदलाव कर उन्हें उपयोंगी बना दिया है जिससे ऑनलाइन शिक्षा व वर्क फ्राम होम में कार्य करना आसान व प्रभावी हो गया है। केन्द्र/राज्य सरकारों/प्राइवेट संस्थानों/एनजीओं द्वारा ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न प्रयास किए गए जिससे विद्यार्थी शिक्षा से वंचित न रह जाए। इसी क्रम में राजस्थान में भी प्राइवेट स्कूल/कॉलेज द्वारा अपने स्तर शिक्षण सामग्री तैयार कर विडियों अथवा लाइव कक्षाओं का संचालन किया गया। साथ ही सरकार द्वारा सरकारी महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के क्यूज मूल्यांकन, ज्ञान दूत, प्रतियोगिता दक्षता आदि प्रोग्राम चलाए गए जिसमें विद्यार्थियों को व्हाटसएप से कक्षा बार जोडकर उन्हे शिक्षण सामग्री भेजी गई तथा उनका साप्ताहिक मूल्यांकन भी क्विज के द्वारा किया गया। सप्ताह में न्यूनतम दो बार प्रत्येक विद्यार्थी/अभिभावक से दूरभाष पर बात कर उनकी प्रगति जांच की गई तथा उनकी समस्याओं का समाधान किया गया। ऑनलाइन शिक्षा के निरंतर इस्तेमाल करने से

* सहायक आचार्य–हिन्दी, स्व. राजेश पायलट राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बांदीकुई, दौसा, राजस्थान।

शिक्षक वर्ग इसके फायदे नुकसान को समझने लगा है और स्कूल/कॉलेज/कोंचिंग संस्थानों पुनः खोले जाने पर भी इसका इस्तेमाल जारी रहने की प्रबल संभावना है क्योंकि ऑनलाइन शिक्षा की समीक्षा करने पर निम्न महत्वपूर्ण तथ्य फायदे व नुकसान उभर कर आए है।

- व्हाटसएप ग्रुप द्वारा कक्षा के सभी विद्यार्थियों को एक साथ एक प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जा सकता है।
- प्रत्येक विद्यार्थी की मॉनिटरिंग की जा सकती है उसमें अभिभावक से संपर्क आसान हो गया है जिससे विद्यार्थी की प्रगति पर उनसे बात की जा सके।
- कठिन टॉपिक के रोचक वीड़ियों ग्रुप में भेज कर आसानी से समझने में मदद मिलती है।
- इसमें ऑनलाइन क्लास की रिकॉर्डिंग अथवा संबधित विडियों आप क्लास के बाद में भी देखकर आसानी से समझ सकते है।
- जो विद्यार्थी किसी कारणवश संस्था नहीं आ पा रहे हैं उन्हें शिक्षण सामग्री भेजी जा सकती है तथा उनकी प्रगति ली जा सकती है।
- ऑनलाइन तरीके से मूल्यांकन भी किया जा सकता है क्विज द्वारा।
- इसमें एक बाधा भी है कि कई विद्यार्थियों अभिभावकों के पास एंड्रायड फोन/नेट की उपलब्धता नहीं होने पर वह इसमें लाभाविन्त होने से वंचित रह जाते है इस प्रकार सामाजिक विषमता की आशंका बढ़ जाती है।
- घर में जितने विद्यार्थी हैं उन सभी को अलग–अलग मोबाइल की आवश्यकता होती है जो मध्यम व निम्न वर्ग के परिवारों के लिए संभव नहीं है।
- मोबाइल लैपटॉप के सामने लगातार बैठने से विद्यार्थीयों की आंखों, स्पाइन, गर्दन आदि अंगों पर दुष्प्रभाव पड़ता है।
- शारीरिक गतिविधियां कम होने से बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- इसमें एकाकीपन, चिड़चिड़ापन महसूस होने लगता है।
- इसमें विद्यार्थियों के साथ सह पाठ्यक्रम गतिविधियां जैसे खेलकूद, डांस, योग, कल्चरल एक्टिविटी, वाद विवाद प्रतियोगिता, निबंध लेखन आदि नहीं कराई जा सकती जो कि विद्यार्थियों के लिए बहुत आवश्यक है इसी से उनका सर्वागीण विकास होता है।
- कभी–कभी बच्चे मोबाइल या लैपटॉप पर वीडियो गेम या अन्य गतिविधियों में संलिप्त हो जाते हैं जिससे उनकी पढ़ाई बाधित होती है।

इस प्रकार ऑनलाइन शिक्षा के उपर्युक्त दोनों प्रभाव हमारे सामने हैं। इससे हम कह सकते हैं कि आज के दौर में ऑनलाइन शिक्षा विकल्प जरूर है लेकिन वह गुणवत्ता शिक्षा के लिए कक्षा कक्ष शिक्षण का विकल्प बिल्कुल नहीं हो सकती। इतना जरूर है कि हम कक्षा कक्ष शिक्षण के साथ ऑनलाइन शिक्षा को शामिल करके उसे और अधिक प्रभावी बना सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षा का दारोमदार मुख्य रूप से शिक्षक पर निर्भर करता है। इसलिए शिक्षक की भूमिका को प्रभावी बनाने हेतु शिक्षक द्वारा महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वाह करना अपेक्षित है इनमें से मुख्यतः दो दायित्व है तकनीकी दृष्टि से स्वयं को एवं लाभार्थी अर्थात् विद्यार्थियों को सशक्त करना।

तकनीकी दृष्टि से स्वयं सशक्त होना

ऑनलाइन शिक्षा का महत्वपूर्ण पहलू यहीं से प्रारंभ होता है। यदि हम ऑनलाइन शिक्षा के तकनीकी पहलुओं से परिचित नहीं है तो हम इस क्षेत्र में प्रभावी परिणाम प्राप्त नहीं कर सकते। इसलिए सबसे पहले शिक्षक का दायित्व है कि वह ऑनलाइन शिक्षा से जुड़े सभी तकनीकी पहलुओं की जानकारी हासिल करें। यह तकनीकी जानकारी शिक्षक अपने साथियों से तथा यूट्यूब/वेबसाइट/ऐप आदि से प्राप्त कर सकते हैं। आजकल इस क्षेत्र के एक्सपर्ट्स द्वारा बनाएं वीडियो भी यूट्यूब पर उपलब्ध है जिन्हें देखकर आसानी से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। निम्नांकित बिंदुओं से संबंधित जानकारीयां ऑनलाइन शिक्षा में बहुत सहायक रहती हैं। जैसे ईमेल, व्हाट्सएप, जूम एप, गूगल मीट, गूगल फॉर्म, गूगल ड्राइव स्वयं का यूट्यूब चैनल आदि।

इनके उपयोग द्वारा कॉलेज/कोचिंग संस्थानों में निम्न गतिविधियां संचालित की जा रही है। आजकल शिक्षण संस्थानों में कक्षा बार व्हाट्सएप ग्रुप बनाए हुए हैं जिनमें स्वयं के बनाए हुए वीडियो तथा विभाग द्वारा प्राप्त वीडियों व शिक्षण सामग्री समय–समय पर भेजी जा रही है साथ ही इनमें क्विज आधारित मूल्यांकन प्रपत्र भी भेजे जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त यदि हम अपना यूट्यूब चैनल बना लेते हैं तो उस पर अपने विषय का वीडियों बनाकर विद्यार्थियों तक पहुंचा सकते हैं जिससे विद्यार्थियों का उस ग्रुप में जुड़ाव बढ़ता है तथा स्वयं शिक्षक का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। गूगल मीट एप या अन्य मीटिंग एप का उपयोग करके हम अपने विद्यार्थियों/साथियों से लाइव जोड़कर उनके साथ दो तरफा बातचीत कर सकते हैं और उनकी प्रतिक्रियाएं भी प्राप्त कर सकते हैं। अपने ईमेल में मौजूद ड्राइव में जाकर गूगल फार्म बनाकर उसमें प्रश्न व उनके विकल्प डालकर विद्यार्थियों हेतु मूल्यांकन फॉर्म तैयार कर सकते है। इसमें प्रत्येक विद्यार्थी का मूल्यांकन संबंधी रिकार्ड भी सुरक्षित रहता है। उपर्युक्त तकनीकें व उनके उपयोग उदाहरण स्वरूप है अन्य तकनीके भी प्रचलित हैं जिनके बारे में आप विस्तृत जानकारियां गूगल/युट्यूब चैनल/ऐप अथवा इस क्षेत्र के विशेषज्ञ से अच्छी तरह प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक तकनीकी रूप से जितना सशक्त होगा उसका ऑनलाइन शिक्षण उतना ही प्रभावी एवं रूचि पूर्ण होगा। विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सशक्त करना।

ऑनलाइन शिक्षा के प्रभावी संचालन हेतु शिक्षक के साथ–साथ विद्यार्थी को भी तकनीकी जानकारी का ज्ञान होना बहुत जरूरी है तभी वह शिक्षक द्वारा भेजी जा रही शिक्षण सामग्री तथा लाइव कक्षाओं का सही उपयोग कर पाएगा, अन्यथा विद्यार्थी इससे सही ढंग से नहीं जुड़ पाने के कारण इसके उपयोग के प्रति रूचि नहीं रखेगा। अतः शिक्षक का दायित्व है कि वह ऑनलाइन शिक्षण सामग्री के उपयोग में आने वाली तकनीकी जानकारियां विद्यार्थियों को व्हाट्सएप ग्रुप द्वारा या कॉल करके या वीडियो भेजकर दी जाए जिससे वे शिक्षण सामग्री/लाइव कक्षाओं का सही तरीके से उपयोग कर सकें। यदि शिक्षक एवं विद्यार्थी दोनों तकनीकी दृष्टि से सशक्त होंगे तो निश्चित रूप से ऑनलाइन शिक्षा का भी अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकते हैं और इसके लाभ को देखते हुए शिक्षक एवं विद्यार्थियों में भी रूचि बढेगी।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि ऑनलाइन शिक्षा का समस्त दारोमदार शिक्षक पर निर्भर है। वर्तमान में लगभग 10माह पश्चात कोरोना पर नियंत्रण तथा कोरोना की वैक्सीन के टीकाकरण को देखते हुए सरकारों ने कॉलेज, स्कूल एवं कोचिंग संस्थानों को कोरोना गाइडलाइन की शर्तों का पालन करते हुए पुन खोलना प्रारंभ कर दिया है। राजस्थान सरकार द्वारा 18 जनवरी 2021 से स्कूल/कॉलेज व कोचिंग संस्थान कोरोना गाइडलाइन की पालना के साथ प्रारंभ की जा चुके हैं एवं इनमें पहले की तरह कक्षा शिक्षण पुनः प्रारंभ हो गया है। जैसा कि हमने पूर्व में ऑनलाइन शिक्षा की समीक्षा के तहत फायदे वाले बिंदुओं का उल्लेख किया था, इन्हें देखते हुए हम समझ सकते हैं कि कक्षा शिक्षण एवं ऑनलाइन शिखा एक दूसरे के विरोधी ना होकर एक दूसरे के पूरक है, यदि हम इन दोना में सामंजस्य बैठाकर शिक्षण कार्य करें तो निश्चित रूप से गुणवत्तापूण शिक्षा प्राप्त करने में यह सहायक सिद्ध होगी। आशा है कि शिक्षण द्वारा कोरोना काल में ऑनलाइन शिक्षा संबंधित जो तकनीकी जानकारियां प्राप्त की थी इनका उपयोग कक्षा शिक्षण के साथ साथ आगे भी जारी रखा जाएगा जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आसानी एवं रोचक ढंग से दी जा सके।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. समाचार पत्र–दैनिक भास्कर, राजस्थान पत्रिका, दैनिक नवज्योति।
2. दूरदर्शन समाचार चैनल।
3. प्रमुख पत्र पत्रिकाएं–इंडिया टुडे सलिल।
4. इन्टरनेट।
5. ई–बुक।
6. सोशल मीड़िया–यू–ट्यूब, फेसबुक, व्हाट्स–एप आदि।

❖◆❖